महाराष्ट्र के मराठवाड़ा के छोटे से गांव कड़ोली में 11 अक्टूबर, 1916 की शरद पूर्णिमा की चांदनी रात को जन्म हुआ एक विलक्षण बालक का। जिसने अभावों में पलकर भी लाखों अभावग्रस्त देशवासियों का जीवन रोशन कर दिया। माता राजाबाई और पिता अमृतराव देशमुख की वे पांचवी संतान थे।